

ए.आई.सी.सी. के नये पुनर्गठन में अजीबो-गरीब नेताओं की नियुक्ति हुई?

ज्यादातर वे नेता पदोन्नत हुए हैं, जो पार्टी के पक्ष में “पॉजिटिव” रिजल्ट नहीं दे पाये

-रेणु मितल-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 फरवरी। शुक्रवार देर रात कांग्रेस ने ए.आई.सी.सी. में जो सीमित फेरबदल घोषित किया है उससे पार्टी कार्यकर्ता और नेता दोनों ही हतोंध हैं जिन लोगों को लिया गया है उन्होंने पार्टी को कोई उपलब्धिंश्वास दिलाई है और उनमें से अधिकारी को बड़े बार परखा जा चुका है और वे कई बार असफल सांवित हुए हैं।

उच्चस्तरीय सूची का कहना है कि पंजाब के कुछ नेताओं के नो सोनिया गांधी को हीराश अल्लूरेपर द्वारा हवाला के तहत पैसों का लेन देन करने के सबूत भी दिए थे।

सोनिया गांधी ने उन्हें राहुल से मिलने को कहा था।

इसका परिणाम यह हुआ कि हीराश चौधरी को एआईसीसी में वापस लाया गया और उन्हें मध्य प्रदेश जैसे बड़े और महत्वपूर्ण राज्य को प्रभारी बनाया गया, हालांकि वोनों ने कभी कोई खास सफलता नहीं दिलावाई पार्टी को।

- हरीश चौधरी को मध्य प्रदेश का प्रभारी बनाया गया।
- भूपेश बघेल, जिनके नेतृत्व में पहले तो चुनाव में कांग्रेस की भारी हार हुई और सरकार गई और अब हाल ही में हुए, म्युनिसिपलिटी के चुनावों में भी कांग्रेस को पुनर्हार का सामना करना पड़ा। पर, अब बघेल को पंजाब का प्रभारी बनाया गया है, क्योंकि, चर्चाओं के अनुसार, बघेल को प्रियंका गांधी का वरद हस्त प्राप्त है।
- इसी प्रकार, एक समय राहुल का दाहिना हाथ माने जाने वाले वूर्व आई.ए.एस. अधिकारी को झारखंड का इंदार्जन बनाया गया है तथा पुरानी वफादार मीनाक्षी नटराजन को तेलंगाना का प्रभारी बनाया गया है। हालांकि, दोनों ने कभी कोई खास सफलता नहीं दिलावाई पार्टी को।
- हरीश चौधरी, कृष्ण अल्लूरेपर को क्रमशः एम.पी. व बिहार का इंदार्जन बनाया गया है, जबकि, दोनों के खिलाफ सोनिया गांधी के सामने कई शिकायतें आई हैं, पैसों के लेन देन की। चर्ची का नाम भी शॉट लिस्ट हुआ था, पर, उन्होंने भी पंजाब में सक्रिय रहने की इच्छा दिखाई। ऐसा भी कहा जा रहा है कि उनके खिलाफ शिकायतें पहुंची थीं, सोनिया गांधी के सामने।

लिए कही लौंगिंग कर रहे थे। कृष्ण अल्लूरेपर को कई बार पदोन्नत किया गया है और अब उन्हें विवार का भाषण नहीं दिया गया है, जहाँ इस साल चुनाव होने हैं। सबाल यह उठ रहा है कि क्या वे लालू यादव से बैठकर बात कर पाएंगे, बाकी लोगों की बात तो छोड़ ही दें।

- सीपीडब्ल्यूडी की रिपोर्ट के आधार पर केन्द्रीय सरकार आयोग ने जांच के आदेश दिये।
- फलैग्साफ रोड स्थित मुख्यमंत्री आवास के जीपोंडार में बने रहने की इच्छा जातो हुए एआईसीसी में आने से इकार कर दिया, हालांकि उनका नाम शॉटलिस्ट किया गया था। सबाल यह है कि क्या उन्हें सचिन नहीं थी तो उनका नाम शॉटलिस्ट किया गया था।
- मरिल्कार्न खड़े के विवासपाल सहायक नासिर हुसैन को जम्मू-कश्मीर का प्रभारी महासचिव बनाया गया है, जबकि, दोनों के खिलाफ सोनिया गांधी के सामने कई शिकायतें आई हैं, पैसों के लेन देन की। चर्ची का नाम भी शॉट लिस्ट हुआ था, पर, उन्होंने भी पंजाब में सक्रिय रहने की इच्छा दिखाई। ऐसा भी कहा जा रहा है कि उनके खिलाफ शिकायतें पहुंची थीं, सोनिया गांधी के सामने।
- पता चला है कि कर्नाटक के (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

केजरीवाल के बंगले की जाँच होगी

नवी दिल्ली, 15 फरवरी। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जिस बंगले में रहते थे उनके जीपोंडार में हुई कठिन गडबडी को लेकर केन्द्रीय सरकार आयोग (सीबीआई) ने जांच के आदेश दिये हैं। यह आदेश केन्द्रीय सोलोक निर्धारण विभाग (सीपीडब्ल्यूडी) द्वारा प्रस्तुत एक रिपोर्ट के आधार पर दिया गया है। सीपीडब्ल्यूडी को इस रिपोर्ट में दिल्ली के सिविल लाइस्न में,

‘जिसे आप अपने घर में पवित्र व शुभ मानते हैं, उससे उल्टा व्यवहार करते हैं, बाकी विश्व में’

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने म्युनिख सिक्युरिटी कॉन्फ्रेंस में पश्चिमी देशों के इस सोच का खुलकर विरोध किया और कहा कि विश्व में ‘प्रजातंत्र’ संकट में

-डॉ. सतीश मिश्रा-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 3 फरवरी। लोकतंत्र के संकट में होने की बढ़ी धाराएँ को नकारते हुए, विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शाखाको को असार्वदीय सुधायाका को कठिन गडबडी को लेकर केन्द्रीय सरकार के रूप में देखता है। उन्होंने कहा कि भारत, ‘सभी चुनौतियों’ के बावजूद, यहाँ तक कि कम आय के स्तर पर होने के बाद भी, लोकतंत्रके प्रति विशेष धृति विश्वास के आधारी बनाया गया है।

जयशंकर ने कहा कि भारत में 90 करोड़ मतदाताओं में 70 करोड़ मतदाताओं ने चुनाव में वोट दिया और सारे वोट एक ही दिन में गिनते हैं। जब से मतदान द्वारा चुनाव के मार्फत सरकार का गठन शुरू हुआ, तब से अब 20 प्रतिशत ज्यादा व्यक्ति वोटिंग में भाग ले रहे हैं।

अमेरिका की सिनेटर एलिस स्लॉटिंग के कठाक, कि ‘प्रजातंत्र डाइनिंग टेबिल’ पर खाना नहीं देता’, के जवाब में उन्होंने कहा कि मेरे देश में (भारत में) प्रजातंत्र डाइनिंग टेबिल पर खाना जरूर पहुंचाता है। प्रजातंत्री तरीके से चुनी गई सरकार उन 80 करोड़ लोगों को खाना पहुंचाता है और उनके पेट में खाना पहुंचाये यह उन लोगों के लिए रोजमरा में स्वस्थ रहने का एकमात्र रास्ता है।

पूछे जाने पर, उन्होंने कहा, “मुझे लगता है कि मैं एक पेसे पैनल, जो शायद नवाचारी है, में एक असार्वदीय विद्या में अपनी उंगली डेकार्ड के प्रधानमंत्री ने जानकारी दिया। उल्लेखनीय है कि इस बंगले के लोक भाषण पर पूरे चुनाव प्रचार के दौरान इसे शीश मटक का नाम देकर आम आदमी पार्टी और केजरीवाल पर हमले किए थे।

गौरतलब है कि भाषण के नेता विजेंद्र गुप्ता ने इस मामले में बंगले के शिकायत दर्ज कराये। गौरतलब है कि भाषण के नेता विजेंद्र गुप्ता ने इस मामले में बंगले के लोक निर्माण के दौरान सरकार के लोकतंत्र के बावजूद असहमत है और उन्होंने भारत के लोकतंत्र के बावजूद असहमत है और उन्होंने भारत के लोकतंत्र के बावजूद असहमत है और उन्होंने अपेक्षित भूमिका के रूप में उन्होंने अपेक्षित भूमिका के रूप में उन्होंने अपेक्षित भूमिका के रूप में किए गए। मामले का निशान है हम हाल ही में अपने राज्य निर्माण के दौरान इसे एक असार्वदीय विद्या में देखा है, तो पहले संस्करण यह है कि हो सकता है किसी रूप में लोकतंत्र वैश्विक स्तर पर सकट में हो। परंतु वैश्विक स्तर पर सकट में लोकतंत्र वैश्विक स्तर पर सकट में हो।

पैशियां लोकतंत्र पर उनके विचारों के बावजूद ही भारतीय चुनावों में लगभग दो-

तिहाई पार मतदाता वोट करते हैं। राष्ट्रदूत चुनावों में, 90 करोड़ मतदाताओं में से 70 करोड़ ने वोट किया।

उन्होंने कहा, “आधुनिक युग में जब निराचारी है, में एक असार्वदीय विद्या के रूप में देखा है कि इस विद्या में अपनी उंगली डेकार्ड के प्रधानमंत्री ने जानकारी दिया। वह जो निशान है अपने नाबून पर देख रखे हैं, यह जो निशान है हम जाल ही में अपने राज्य निर्माण के दौरान इसे एक असार्वदीय विद्या के रूप में देखा है, तो पहले संस्करण यह है कि हो सकता है किसी रूप में लोकतंत्र वैश्विक स्तर पर सकट में हो। परंतु वैश्विक स्तर पर सकट में हो।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

उमा भारती भी खड़ी हुई

विपक्ष के साथ

उनका कहना था, भारतीय नागरिकों को “अपमानजनक” तरीके से अमेरिका से भारत भेजना बहुत अनुचित था

20 फरवरी को मिलेगी, दिल्ली को नई सरकार

-जाल खेड़ा-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 फरवरी।

दिल्ली में 20 फरवरी को भाजपा

के साथ सरकार बनेगी, जिसमें

परवेश वर्मा को मुख्यमंत्री और

डॉ. मोहन बोंस को स्पीकर और रवि

वर्मा को विपक्ष

के अधिकारी बन

विचार बिन्दु

तृण से हल्की रुई होती है और रुई से भी हल्का याचक। हवा इस डर से उसे नहीं उड़ाती कि कहीं उससे भी कुछ न माँग ले। -चाणक्य

बुढ़ापे में स्वास्थ्य का प्रबंध

क्या

आप बुढ़ापे की ओर बढ़ रहे हैं? यदि हाँ, तो आज की चर्चा पुनः आपके लिये है। वस्तुतः समय के परिणाम से बुढ़ापा और मृत्यु हर व्यक्ति के जीवन में अंततः आये हैं, और उत्तम बुढ़ापे में होने वाली समस्याएँ स्वास्थ्यविकासी हैं। इनकी चिकित्सा नहीं होती (कालस्य परिणामेन जगापूर्तिमितिराजाः। रोगः स्वास्थ्याविका दृष्टः स्वास्थ्याविक्षय निष्ठितिक्रियः। चूर्णा 1.115)। इनसे डरने की आवश्यकता भी नहीं है। स्वास्थ्याविक जरावस्था को नहीं टाला जा सकता, पर अकल-जग या असमय बुढ़ापे की समस्याओं से निपटने के लिये आयुर्वेद में पर्याप्त, प्रभावी और प्रभावात् आवश्यक उपयोग है।

बुढ़ापे के लक्षणों को बात-बूझ, विषयाग्नि (मन्दाग्नि, तीक्ष्णाग्नि) और दोनों को प्रभाव से कफक्षय के संदर्भ में होना जा सकता है। अकल-जग या समय से घरेले बुढ़ापा आपने का मूल कारण त्रिवेष-भड़काक जीवन-शैली, अनन्त असाधारणीय-व्याधी संयोग एवं अवस्थाएँ व्याधी प्रसापाध हैं। क्रमः होने वाली स्थिति देखें तो वात के प्रकोप से विषयाग्नि (मन्दाग्नि, तीक्ष्णाग्नि) के कारण त्रिवृत्पूर्ण आहार-स्वीकारण, इसके कारण आप का बनना, आप बनने से भोजन के साथ से सार और किंडु का सप्तय विषयाग्नि बन गया, इस कारण अनावश्यक मूल-संचय बनना, और मूल-संचय से खोतोराध व खेती होना, और इस स्थिति के लम्बे समय तक रहने से आम विषय का निर्माण होने लगता है। अटो-इम्युनिटी के पास इस आयुर्वेद में पर्याप्त, प्रभावी और विषयाग्नि के कारण भूत्याग्नि व्याधाग्नि का हास होता है। फलतः रसायनुत्तम में खराकी आपने से धूत श्याया होता है।

शरीर की क्रियात्मक समग्र या विषयाग्नि-जाकल-द्विष्टिटी में उत्तरोत्तर होने वाली हानि के कारण बुढ़ापा आता है, विषये परिणाम-स्वास्थ्यविकासी अतिरिक्त मृत्यु होती है। शरीर की क्रियात्मक समग्रता जैसे जैसे टूटती होती है वैसे-वैसे मूल्य कैसर, मधुमेह, हृदयापान, न्यूरो-जारेटिव समस्याओं व ब्रॉनिक रेसिटरी-ट्रॉक इन-ट्रॉक स्ट्रेस और इनफेसेशन दर्द या सूजन को नियंत्रित कर लिया जाये तो आयुर्वेद में परिणामकाल और आधुनिक वैज्ञानिक शब्दविवरों में समय-निर्भाव बढ़ाया जाए।

दूँक आयुर्वेद में घरेले से तय नहीं होती है, अतः आयुर्वेद द्वारा प्रदत्त उपयोग के उपयोग के जरा-व्याधी का नाश बरते हुये जीवन के अतिम समय तक व्यास्था रहा जा सकता है। उम्र के साथ बढ़ने वाले रोगों की उत्तरतः फ्रो-डेंगलक्सी की बहुतात से ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस बढ़ने और इनफेसेशन के कारण होती है। यदि आहार, विहार, रसायन, वाजीकरण और औषधियों की युक्तियुक्त व्यवस्था से ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस और इनफेसेशन (दर्द या सूजन) को नियंत्रित कर लिया जाये तो बुढ़ापे में लगने वाली जीवायरियों से बचा जा सकता है। आयुर्वेदिक वैज्ञानिक आधार पर लगने वाली जीवायरियों से बचा जा सकता है।

आयुर्वेद की दृष्टि में जारवस्था में वात का प्रकोप, कफ का क्षय, विषयाग्नि और धूत्युक्तय को नियंत्रित कर लिया जाये तो समस्याओं को समाधान हो जाता है। अधिकारी वैज्ञानिक द्वारा इसके लिये यह कि उम्र के साथ बढ़ने वाले रोगों की उत्तरतः फ्रो-डेंगलक्सी की बहुतात से ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस बढ़ने और इनफेसेशन के कारण होती है। यदि आहार, विहार, रसायन, वाजीकरण और औषधियों की युक्तियुक्त व्यवस्था से ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस और इनफेसेशन (दर्द या सूजन) को नियंत्रित कर लिया जाये तो बुढ़ापे में लगने वाली जीवायरियों से बचा जा सकता है। आयुर्वेदिक वैज्ञानिक आधार पर लगने वाली जीवायरियों से बचा जा सकता है।

बुढ़ापे में घरेले से तय नहीं होती है, अतः आयुर्वेद द्वारा प्रदत्त उपयोग के उपयोग के जरा-व्याधी की उत्तरतः फ्रो-डेंगलक्सी की बहुतात से ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस बढ़ने और इनफेसेशन के कारण होती है। यदि आहार, विहार, रसायन, वाजीकरण और औषधियों की युक्तियुक्त व्यवस्था से ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस और इनफेसेशन (दर्द या सूजन) को नियंत्रित कर लिया जाये तो बुढ़ापे में लगने वाली जीवायरियों से बचा जा सकता है। आयुर्वेदिक वैज्ञानिक आधार पर लगने वाली जीवायरियों से बचा जा सकता है।

जारवस्था में वात का प्रकोप तो रहना ही है, वात को प्रकृति करने वाले कारण या देहु का अधिक प्रयोग करने पर वात व्याधियों भी विकसित हो जाती है। इसलिए वात को भड़काने के उपरान्त आहार-विहार नहीं करना चाहिये: (1) बहुत रुखा-सूजा भोजन नहीं खाना चाहिये, (2) व्यायाम में अति नहीं करना चाहिये, पर इसका तात्पर्य यह होता है कि बंद करें, (3) उत्तम रस या आकर भोजन दोनों से बचना चाहिये, (4) ज्यादा या फिरत विषयाग्नि के उत्तरान्तर भोजन दोनों से बचना चाहिये, (5) व्यायाम और रहना भोजन की उत्तरान्तर भोजन दोनों से बचना चाहिये, (6) ज्यादा या फिरत विषयाग्नि के उत्तरान्तर भोजन दोनों से बचना चाहिये, (7) आयुर्वेदिक वैज्ञानिक वेंगों को जरबन नहीं रोकना चाहिये, (8) भार-चहन या वाजी वस्तुओं को नहीं ढोना या उड़ाना चाहिये, (9) बहुत रोना या बहुत हंसना नहीं चाहिये, (10) ऐसी स्थिति न बनायें कि किसी प्रकार की वित्ती न रह जाय, किन्तु अति-चिन्ता, अति-प्रवासी व्याधीयों को उत्तरतः फ्रो-डेंगलक्सी की बहुतात से ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस बढ़ने और इनफेसेशन के कारण होती है। यदि आहार, विहार, रसायन, वाजीकरण और औषधियों की युक्तियुक्त व्यवस्था से ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस और इनफेसेशन (दर्द या सूजन) को नियंत्रित कर लिया जाये तो बुढ़ापे में लगने वाली जीवायरियों से बचा जा सकता है। आयुर्वेदिक वैज्ञानिक आधार पर लगने वाली जीवायरियों से बचा जा सकता है।

जारवस्था में वात का प्रकोप तो रहना ही है, वात को प्रकृति करने वाले कारण या देहु का अधिक प्रयोग करने पर वात व्याधियों भी विकसित हो जाती है। इसलिए वात को भड़काने के उपरान्त आहार-विहार नहीं करना चाहिये: (1) बहुत रुखा-सूजा भोजन नहीं खाना चाहिये, (2) व्यायाम में अति नहीं करना चाहिये, पर इसका तात्पर्य यह होता है कि बंद करें, (3) उत्तम रस या आकर भोजन दोनों से बचना चाहिये, (4) ज्यादा या फिरत विषयाग्नि के उत्तरान्तर भोजन दोनों से बचना चाहिये, (5) व्यायाम और रहना भोजन की उत्तरान्तर भोजन दोनों से बचना चाहिये, (6) ज्यादा या फिरत विषयाग्नि के उत्तरान्तर भोजन दोनों से बचना चाहिये, (7) आयुर्वेदिक वैज्ञानिक वेंगों को जरबन नहीं रोकना चाहिये, (8) भार-चहन या वाजी वस्तुओं को नहीं ढोना या उड़ाना चाहिये, (9) बहुत रोना या बहुत हंसना नहीं चाहिये, (10) ऐसी स्थिति न बनायें कि किसी प्रकार की वित्ती न रह जाय, किन्तु अति-चिन्ता, अति-प्रवासी व्याधीयों को उत्तरतः फ्रो-डेंगलक्सी की बहुतात से ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस बढ़ने और इनफेसेशन के कारण होती है। यदि आहार, विहार, रसायन, वाजीकरण और औषधियों की युक्तियुक्त व्यवस्था से ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस और इनफेसेशन (दर्द या सूजन) को नियंत्रित कर लिया जाये तो बुढ़ापे में लगने वाली जीवायरियों से बचा जा सकता है। आयुर्वेदिक वैज्ञानिक आधार पर लगने वाली जीवायरियों से बचा जा सकता है।

जारवस्था में वात का प्रकोप तो रहना ही है, वात को प्रकृति करने वाले कारण या देहु का अधिक प्रयोग करने पर वात व्याधियों भी विकसित हो जाती है। इसलिए वात को भड़काने के उपरान्त आहार-विहार नहीं करना चाहिये: (1) बहुत रुखा-सूजा भोजन नहीं खाना चाहिये, (2) व्यायाम में अति नहीं करना चाहिये, पर इसका तात्पर्य यह होता है कि बंद करें, (3) उत्तम रस या आकर भोजन दोनों से बचना चाहिये, (4) ज्यादा या फिरत विषयाग्नि के उत्तरान्तर भोजन दोनों से बचना चाहिये, (5) व्यायाम और रहना भोजन की उत्तरान्तर भोजन दोनों से बचना चाहिये, (6) ज्यादा या फिरत विषयाग्नि के उत्तरान्तर भोजन दोनों से बचना चाहिये, (7) आयुर्वेदिक वैज्ञानिक वेंगों को जरबन नहीं रोकना चाहिये, (8) भार-चहन या वाजी वस्तुओं को नहीं ढोना या उड़ाना चाहिये, (9) बहुत रोना या बहुत हंसना नहीं चाहिये, (10) ऐसी स्थिति न बनायें कि किसी प्रकार की वित्ती न रह जाय, किन्तु अति-चिन्ता, अति-प्रवासी व्याधीयों को उत्तरतः फ्रो-डेंगलक्सी की बहुतात से ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस बढ़ने और इनफेसेशन के कारण होती है। यदि आहार, विहार, रसायन, वाजीकरण और औषधियों की युक्तियुक्त व्यवस्था से ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस और इनफेसेशन (दर्द या सूजन) को नियंत्रित कर लिया जाये तो बुढ़ापे में लगने वाली जीवायरियों से बचा जा सकता है। आयुर्वेदिक वैज्ञानिक आधार पर लगने वाली जीवायरियों से बचा जा सकता है।

जार्हां तक भोजन का प्रश्न है, प्रायः मधुर, अम्ल, लवण रसप्रधान, स्निग्ध, उष्ण, मात्रापूर्वक, अच्छी तरह चर्चा करना चाहिये। आजकल धी व दूध से लोग दूर भागते हैं। पर बुढ़ापे में वात रोगों के समाधान में तेल और धी से बेहतर कोई द्रव्य नहीं होता है। असल तेल में धी की वित्ती व द्रव्य का नियंत्रित रहना चाहिये। यदि आहार, विहार, रसायन, वाजीकरण और औषधियों की युक्तियुक्त व्यवस्था से ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस और इनफेसेशन (दर्द या सूजन) को नियंत्रित कर लिया जाये तो बुढ़ापे में लगने वाली जीवायरियों से बचा जा सकता है। आयुर्व

ALLEN THE CLEAR LEADER IN JEE MAIN 2025 (SESSION 1)



5 Overall 100%ile Scorers **14** State Toppers



RAJASTHAN TOPPER

Rajit Gupta
7-Year ALLEN Kota Classroom Course

RAJASTHAN TOPPER

Arnav Singh
6-Year ALLEN Kota Classroom Course

RAJASTHAN TOPPER

Om Prakash Behera
3-Year ALLEN Kota Classroom Course

RAJASTHAN TOPPER

Saksham Jindal
3-Year ALLEN Kota Classroom Course

DELHI (NCT) TOPPER

Harsh Jha
Online Test Series

Chhattisgarh Topper



Jharkhand Topper



Bihar Topper



Odisha Topper



Himachal Pradesh Topper



Assam Topper



Puducherry Topper



Meghalaya Topper



Manipur Topper



ONLINE LIVE COURSE CHAMPIONS



ADMISSIONS OPEN

NEET (UG) | JEE (Main+Adv.) | JEE (Main)
Olympiads | Class 6th to 12th & 12th Pass



SIGN-UP FOR ASAT

GET UP TO **90%** SCHOLARSHIP*

TEST DATES: 02 & 16 MAR, 2025

*Subject to the scholarship rules and the T&Cs.

ALLEN

0744-3556677

allen.ac.in

